जनपद चमोली में प्र0ग्रा0 सड़क योजना में थराली–पेनगढ़ मोटर मार्ग चैनेज कि0मी0 7 से 11.725 तक मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. ग्रामीण निर्माण विभाग–1 (प्र0ग्रा0स0यो0) कर्णप्रयाग के अन्तगर्त थराली–पेनगढ मोटर मार्ग का कि0 मी0 7.00 से कि0मी011.725 तक निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण निर्माण विभाग–1 कर्णप्रयाग के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा सम्बंधित अपर सहोयक अभियन्ता श्री धीरेन्द्र भण्डारी के साथ निरीक्षण किया गया।

2. प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत थराली–पेनगढ़ मोटर मार्ग निर्माणाधीन है। अवगत करया गया कि कि0मी0 7 तक मार्ग का समरेखन अनुमोदित है तथा अब उससे आगे चैनेज 11.725 कि0मी0 तक मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव हैं तथा उसी की भूगर्भीय आख्या वांछित हैं। प्रस्तावित समरेखन कि0मी0 7.00 में ग्राम सिनई से आगे आरम्भ होता हैं तथा 4.725 कि0मी0 लम्बाई पूर्ण कर पेनगढ़ के समीप पूर्ण होता है। इस समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड्स हैं, जो कास सैक्शन 11/16 व 11/24 में दिये गये है। कास सैक्शन 8/01 में समरेखन एक बरसाती गधेरे को पार करता है, जिस पर लघु सेतु/पुलिया आवश्यक होगी जबकि 10/24 में पेनगढ़ गधेरे के ऊपर सेतु के निर्माण की आवश्यकता होगी।

3. कि0मी0 10 में कास सैक्शन 9/15 से 9/24 के मध्य समरेखन एक स्लाईड जोन से होकर गुजरता है। स्थानीय लोगों से ज्ञात हुआ कि वर्ष 2013 में वज्रपात के कारण यहां पहाड़ टूटा था, जिस कारण यह स्लाईड जोन बन गया है। यह भी अवगत कराया गया कि वर्ष 2013 के पश्चात यहां भूस्खलन नहीं हुआ है तथा चट्टानें स्थिर है।

4. सम्बंधित अपर सहायक अभियन्ता ने अवगत कराया कि यही एक मात्र समरेखन है तथा कहीं अन्य से मार्ग का निर्माण नहीं हो सकता है। अतः वर्तमान परिस्थितियों में इस जोन को avoid नहीं किया जा सकता है। यह चट्टानी भाग है, जिसमें ढलान भी अपेक्षाकृत तीव्र है। मार्ग की लगभग 175 मी0से 200 मी0 लम्बाई इस भाग से होकर गुजरेगी। सामान्य परिस्थितियों मे ऐसे भाग में मार्ग का निर्माण avoid किया जाना चाहिये। किन्तु ग्रामों को संयोजकता प्रदान किये जाने हेतु तथा अन्य विकल्प उपलब्ध न होने के कारण अपरिहार्य होने पर ऐसे भाग में सभी आवश्यक सावधानियों के साथ मार्ग का निर्माण कराया जाना चाहियें।

5. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति,भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(I) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

(II) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(III) कि0मी0 10 में स्लाईड जोन वाले भाग में यथोचित सावधानी के साथ हाफ कटिंग–हाफ फिलिंग के द्वारा मार्ग का निर्माण कराया जाये जिससे हिल साईड में अधिक कटान न हो। रिटेनिग दीवार का निर्माण समुचित डिजाइन के आधार पर कराया जाये तथा उसकी नींव फर्म चट्टान पर आधारित की जाये। दीवार मे वीप होल्स का प्रावधान किया जाये तथा फिलिंग मैटेरियल की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाये। मार्ग कटान में विस्फोटकों का प्रयोग न किया जाये

(IV) आवश्यक हो तो इस स्लाईड जोन वाले भाग का विस्तृत अध्ययन कराया जाये, जिससे मार्ग के निर्माण की एवं इस जोन के स्थायित्व की दृष्टि से अन्य आवश्यक सुझाव प्राप्त हो सकें।

(V) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जायें।

(VI) जहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जायें।

(VII) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जा सकें।

(VIII) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन,स्कपर एवं अन्य कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(IX) कि0मी0 9 एवं कि0मी0 11 में पुलिया एवं सेतु का निर्माण उपयुक्त स्थल पर आवश्यक सावधानियों के साथ कराया जायें

(X) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जाये। खड्ड साईड में फैकनें से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

Photocopy Attested

Assistant Engineer
R W D P M G S Y
Karanprayag-1

(XI) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

6. थराली–पेनगढ़ मोटर मार्ग चैनेज 7.00 कि0मी0 से 11.725 तक 4.725 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आरख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

fc Attested

Assistant Engineer
R W D PMGSY
Karanprayag-1

H.Kumar
22.6.17
(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग,देहरादून